# उरमूल  सीमांत समिति ,बज्जू(बीकानेर) राजस्थान

**मरु मंथन 2023-24**

दिनांक-9-10.2.2024

स्थान-माहेश्वरी हवेली,जैसरमेर,राजस्थान

उरमूल सीमांत समिति ,डेजर्ट रिसोर्स सेंटर पिछले तीन सालों से मरु मंथन का आयोजन ,अलग-अलग विषयों को आधार मानकर किए जाते रहे है | इस कार्यक्रम को करने के पीछे उद्देश्य यह रहा है कि मरु क्षेत्र में बहुत से मुद्दे है | जिन को आधार मानकर संस्थान समुदाय के साथ ,उपरोक्त विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा करके एक निर्णय पर पहुँचती है | इसी के आधार में संस्थान ,समुदाय के साथ एक संयुक्त कार्य योजना बनाकर कार्य करती है ताकि समुदाय को इसका लाभ मिल सकें और उस समस्या से निजात मिल सकें |

इस वार का कार्यक्रम पेस्टोलिस्ट साल होने के कारण से ही ,इसी विषय पर समुदाय के साथ सामूहिक चर्चा करके ,एक निर्णय करने का सोचा गया है | इस कार्यक्रम में सभी छ: संस्थानों ने अपने अपने कार्यक्रमों की प्रदर्शनी भी  लगाई ताकि सभी को कार्यक्रमों की जानकारी मिल सकें |

इन प्रदर्शनियों के अवलोकन क भी समय तय किया गया ताकि कार्यक्रम में कोई रुकावट नहीं आए और लीग भी अच्छे से उसका लाभ भी ले सकें |समुदाय के लोगों से अपनी जानकारी को भी बड़ाया | इसका लाभ समुदाय को बहुत ही अच्छे से मिल सका |

इस वार के मरु मंथन में उरमूल सीमांत समिति और डेजर्ट रिसोर्स सेंटर ने मिलकर तय किया गया कि हम पश्चिमी राजस्थान में समान विचार धारा वाली और संस्थानों को भी शामिल किया जाए ताकि एक बड़े क्षेत्र में समेकित और बड़े स्तर पर प्रयास किए जा सकें | इसके साथ ही इस पूरे कार्यक्रम में पत्रकार,लेखक,शोध कर्ता\रिचर्चर,विभिन्न कंपनियों और सामाजिक अध्ययन कराने वाली संस्थानों के वरिष्ठ साथी,राजस्थान सरकार और भारत सरकार के विभिन्न उपक्रमों के पदाधिकारी,कृषि विश्व विद्यालय,नेशनल केमल रिचर्च सेंटर बीकानेर के निदेशक मय टीम ,कजरी जोधपुर के रिचर्चर,जल सखी,महिला आर्टिजन,पशु पालक,किसान,महिला समूह के प्रतिनिधि,विभिन्न संस्थानों के सीईओ /प्रबन्धक,जन प्रतिनिधि,युवा साथी इत्यादि जुड़े | इस पूरे कार्यक्रम में 500 के लगभग लोग शामिल हुए | इसी कड़ी में निम्नलिखित संस्थाओं ने अपनी सहभागी और अहम भूमिका निभाई | जिसका विवरण निम्न प्रकार से है,

1. उरमूल सीमांत समिति
2. उन्नति संस्थान
3. FES संस्थान
4. बहुला प्रा.लि.क.
5. समाख्या प्रा.लि.क.
6. सेल्कों फाउंडेशन

इस कार्यक्रम को अच्छे से और बहेतर बनाने के लिए दो दिनों के तहत विभिन्न सत्रों में विभक्त किया गया | इसके पीछे यह कारण रहा कि हम इस कार्यक्रम को समुदाय के अनुसार ही धरतालीय स्वरूप दिया गया | जिसका विवरण निम्न प्रकार से है ,

**प्रथन दिवस (09.02.2024)**

- **स्वागत** –उरमूल सीमांत समिति के अध्यक्ष महोदय श्रीमती सुशीला ओझा जी से इस दो दिवसीय कार्यक्रम में पधारे ,सभी महानुभावों का बहुत ही आधार के साथ आभार व्यक्त करते हुए स्वागत किया |
-

- कार्यक्रम क परिचय-डेजर्ट रिसोर्स सेंटर की अध्यक्ष महोदया श्रीमती मीनक्षी बत्रा जी ने सभी को मरु मंथन कार्यक्रम के स्वारूप और पूर्व  में हुए मरु मंथन कार्यक्रम के वारे में विस्तार पूर्वक अवगत कराया | इसके साथ ही उन्होने दो दिनों में होने वाले कार्यक्रम के स्वरूप और इस कार्यक्रम के उद्देश्य के वारे में भी विस्तार पूर्वक अवगत कराया |
  इसके साथ ही द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ ही इस मरु मंथन 2023-24 के कार्यक्रम क आगाज किया गया | इस समय श्रीमती सुशीला ओझा, अध्यक्ष - उरमूल सीमांत समिति
  श्रीमती मीनक्षी बत्रा, अध्यक्ष- डेजर्ट रिसोर्स सेंटर
  डॉ.सुमंत व्यास-रिचर्चर काजरी,जोधपुर
  श्री टकयुकी हगीवारा ,FAOR इंडिया
  सभी ने आज के कार्यक्रम की शुरुआत का सभी ने तालियाँ बजाकर ,सभी क स्वागत किया गया |

- **संवाद आरंभ प्रतिभागी/सामुदायिक विचार**-इस विषय पर सभी वक्ताओं ने अपने अपने विचार सभी के सामने विस्तार पूर्वक रखे ताकि समुदाय को इसकी जानकारी अच्छे से मिल सके और वो इसका उपयोग अपने दैनिक जीवन में भी अच्छे से कर सकें |
  डॉ.सतीश शर्मा ,सलाहकार,FES –इन्होने वन सम्पदा के लिए लाभकारी और अच्छे प्रयासों के के वारे में विस्तार पूर्वक सभी को बताया | समुदाय

को वनों के उपयोग और संरक्षण के लिए किए जा रहे अच्छे प्रयासों के वारे में बताया गया |

श्री जोरा राम विषनोई ,अध्यक्ष –ऊँट पालक समूह जी ने सभी के सामने अपने विचार व्यक्त करते हुए अवगत कराया कि हमारा समूह किस तरह से कार्य कर रहा है | उसके द्वारा किए गए प्रयासों और इस समूह को बनाने के उदेश्य के वारे में सभी को अवगत कराया गया |

**समूह चर्चा**

श्री कपिल शाह ,निदेशक जतन सस्थान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि वर्तमान में संस्थानों को जल जंगल और जमीन के मुद्दो पर समुदाय और पंचायत के साथ मिलकर संयुक्त प्रयास करने कि बात कही | इसके साथ ही उन्होने अपने अनुभव भी सभी के सामने रखे ताकि उनसे भी सीखा जा सकें |

श्री राहुल घई,मॉडरेटर -शिव नादार यूनिवरसिटि जी से इस सत्र का संचालन भी किया और अपने अनुभवों को भी सभी के सामने रखा |

- डॉ. ए साहू ,निदेशक एनआरसी बीकानेर के इस समूह का संचालन किया | उपस्थिति समूह के सामने उक्त विषय को स्पष्ट किया गया ताकि सभी को इस विषय की अच्छे से जानकारी हो सकें |विषय-रेगिस्तानी जैवक्षेत्रों की भविष्यता-संभावनाएं और जरूरत

  सभी के समूह में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई और यह जानने का प्रयास किया गया कि भविष्य की इस विषय को लेकर क्या संभावना है | समुदाय और समाज की जरूरत तो है पर इसके लिए सब मिलकर क्या समेकित और कौन से प्रयास कर सकते है

- विषय-निश्चितताओं का आकार - सामान्य पारिस्थितिकी प्रणालियों की कहानियाँ और कायाकल्प के आसपास नवाचार
- श्री मनोज मिश्रा ,नेशनल पॉलिसी  एड्वाइजर एफ़एओ इंडिया जी ने इस समूह का संचालन किया और सभी लोगों के सामने इस विषय की समझ को लेकर अपने विचार रखे ताकि सभी लोग इस विषय पर अपनी राय और सुझाब दे सकें विषय-संभावनाओं को अपनाना-नवाचार रेगिस्तानी उत्पादन प्रणाली

  श्री मनोज जी और अन्य साथियों ने कहा कि इस विषय पर हम सब को अच्छे से कार्य करने और एक दूसरे का सहयोग करने कि जरूरत है

ताकि हम अपने अच्छे अनुभवों को भविष्य में समाज के सामने रख सकें | इससे लाभ तो यह होगा कि इसका लाभ उनको अपने जीवन और अपने कार्यों में भी देखा जा सकता है | इससे समुदाय आत्म निर्भर की ओर अग्रसर होगा |

- इस समूह में श्री जीएस भाटी,निदेशक ,सेंटर वूल बोर्ड जी ने इस समूह क संचालन किया | सभी के सामने इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए निवेदन भी किया ताकि भविष्य की कार्य योजना बनाई जा सकें और समुदाय को इसका लाभ मिल सकें | इस विषय पर सभी ने अपने अपने अनुभवों के साथ अपने विचार साझा किए ताकि समुदाय के साथ एक विस्तार पूर्वक चर्चा करके एक रणनीति के साथ आगे की कार्य योजना बनाई जा सकें |

  श्री मनु शर्मा ,निदेशक ,डेजर्ट रिसोर्स सेटर
  श्री अविजित दास,प्रिन्सिपल वैज्ञानिक ICAR NINFET
  ड्रॉ.विनोद कदम , प्रिन्सिपल वैज्ञानिक ICAR NINFET
  सुश्री प्रेरणा अग्रवाल ,फ़ौण्डर समाख्या आल्टीनेटिव प्रा.लि.क.
  विषय-रेगिस्तानी जैवक्षेत्रों के लिए प्राकृतिक रेशों उत्पाद

- जल कॉमन्स भागीदारी कार्यशाला के लिए कार्य एजेंडा निर्धारित करना- इस विषय पर सभी साथियों से राय मांगी गई थी कि इस विषय पर समुदाय को साथ लेकर ही इस विषय पर कार्य किया जा सकता है | इस विषय पर सभी लोगों को समुदाय को भी बताना होगा कि यह मुद्दा हम सब के लिए कितना जरूरी है | इस विषय पर जिन लोगो कि समझ है और जिनकी समझ नही है तो इस विषय पर सभी को एक धरातल पर सभी की समझ को पक्का किया जा सकता है | तब ही समुदाय को इसका लाभ अच्छे से मिल सकता है |

  इसके साथ ही प्रथम दिवस के कार्यक्रम क समापन किया गया | इसके साथ ही लोकल कलाकारों के माध्यम से एक संगीत क कार्यक्रम भी आयोजित किया गया | इस कार्यक्रम में सभी ने बहुत ही आनंद लिया |

**द्वितीय दिवस (10.02.2024)**

- समुदाय द्वारा ज्ञान प्रणालियों को साझा करना-श्री वीपी सिंह निदेशक पशु पालन विभाग ने इस सत्र का संचालन किया | इन्होने अपने विचार सभी के सामने रखे ताकि शेष पेनल के साथ भी अपने विचारों को साझा कर सकें | इस समूह में श्री चतर सिंह जाम ,श्री जेपी सिंह ,श्री दलीप बिदावत आदि ने भी अपने विचार सभी के सामने साझा किए |
- वैश्विक रेगिस्तान गठबंधन पर गोलमेज़-डॉ.भास्कर चटर्जी जी ने इस समूह का संचालन किया और अपने विचार सभी साथियों के सामने रखे | इस समूह में आनंद बोलीमेरा निदेशक PHIA आदि
- रेगिस्तान के चौराहे पर नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन –श्री गीतांजली अंगमों को फ़ाओडर,हिमालया इंस्टीट्यूट ऑफ आल्टीनेटिव

लद्दाख ,श्री प्रिय पिल्लई कार्यक्रम निदेशक असर ,श्री रोबा तुरचे सफर ,श्री सिमरन ग्रोवर ,चीफ़ एक्सिकिटिव CEEP आदि ने भी अपने विचार सभी के सामने रखे ताकि सभी की राय के आधार पर एक समेकित निर्णय किया जा सकें | सभी की राय थी कि वर्तमान में इसकी जरूरत तो सभी को है |

- सामुदायिक साझाकरण और आवाज़ों के साथ पैनल की शुरुआत श्री विवेकानंदन जी RISG-SA जी ने अपने विचार सभी के सामने रखे | इसके बाद श्रीमती डिम्पल जी FES से अपने अब तक के प्रयासों के वारे में भी के सामने अपने विचार रखे और सभी से निवेदन किया गया कि आप भी अपने विचार और अपने अनुभव भी सभी के सामने रखे |
  इसके साथ ही श्री सूरज सिंह जी दिनांक 11 से 13.2.2024 तक की मरु यात्रा के वारे में सभी के सामने रखे | इस यात्रा में जो भी व्यक्ति शामिल हो सकते है ,उनको भी बुलाने के लिए कहा | इस यात्रा में मुख्य भूमिका निभाने वाले साथी श्री चतर सिंह जाम,श्री दलीप सिंह बिदावत,श्री सूरज सिंह ,श्री अंशुल ओझा,सुश्री आकर्ति श्रीवास्तव आदि भी शामिल हो सकते है |
- समापन समारोह सामुदायिक अभिनंदन और आगे बढ़ने का रास्ता-सभी को आभार व्यक्त के साथ ही इस कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई | आशा ही नही पूरा विश्वश व्यक्त किया गया कि भविष्य में भी फिर से मिलते रहेंगे | इसी आशा और विश्वास के साथ |